S.C.No.—2101302

B. A. EXAMINATION, 2023

(Third Semester)

(2021-22) (Only for Main Students)

HINDI

UHND-301

आधुनिक हिन्दी कविता

Time : 3 Hours *Maximum Marks* : 80

नोट : सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. निम्नलिखित लघूत्तरीय प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए : **8×2=16**

   (i) आधुनिक युग की मीरा किसे कहा जाता है और क्यों ?

   (ii) 'कामायनी' के रचनाकार कौन हैं ? इसका प्रकाशन वर्ष भी लिखिए ।

   (iii) 'गुलाबी चूड़ियाँ' कविता के कवि कौन हैं ?

   (iv) निराला की पुत्री का नाम लिखिए ।

https://www.cbluonline.com

   (v) 'कामायनी' महाकाव्य की नायिका कौन है ?

   (vi) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र की दो काव्यगत विशेषताएँ लिखिए ।

   (vii) 'पवनदूती' नामक कविता की दो भावगत विशेषताएँ लिखिए ।

   (viii) नागार्जुन की काव्यभाषा पर टिप्पणी लिखिए ।

2. 'निज भाषा उन्नति अहै' कविता का उद्देश्य लिखिए ।

   अथवा

   अयोध्यासिंह उपाध्याय हरिऔध के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का उल्लेख करते हुए साहित्यिक विशेषताएँ भी लिखिए । 10

3. सिद्ध कीजिए कि मैथिलीशरण गुप्त जी राष्ट्रीय चेतना के कवि थे ।

   अथवा

   सिद्ध कीजिये कि 'श्रद्धा सर्ग' में श्रद्धा नारी समाज का आदर्श प्रतिनिधित्व करती है ? 10

4. निराला की काव्यगत विशेषताएँ लिखिए ।

   अथवा

   महादेवी वर्मा के अभिव्यंजना शिल्प पर विचार व्यक्त कीजिये । 10

https://www.cbluonline.com

5. 'अरण्यानी से वापसी' नामक कविता के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

अथवा

नागार्जुन का व्यक्तित्व एवं कृतित्व तथा साहित्यिक विशेषताएँ लिखिए । **10**

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **8×3=24**

(क) बैर फूट ही सों भयो, सब भारत को नास ।
तबहुं न छांडत याहि सब बँधे मोह के फांस ।।

(ख) संतापों को विपुल बढ़ता देख के दुखिता हो ।
धीरे बोलीं सदुख उससे श्रीमती राधिका यों ।
प्यारी प्रात: पवन इतना क्यों मुझे है सताती ।
क्या तू भी है कलुषित हुई काल की क्रूरता से ।

(ग) मैं यहाँ एक अवलम्ब छोड़ने आया,
गढ़ने आया हूँ, नहीं तोड़ने आया ।
मैं यहाँ जोड़ने नहीं, बाँटने आया,
जगदुपवन के झंखाड़ छाँटने आया ।

https://www.cbluonline.com

(घ) नील परिधान बीच सुकुमार खुल रहा मृदुल अध खुला अंग ।
खिला हो ज्यों बिजली का फूल मेघबन बीच गुलाबी रंग ।।

(ङ) रोती है अस्फुट स्वर में,
दु:ख सुनता है आकाश धीर-
निश्चल समीर,
सरिता की वे लहरें भी ठहर-ठहरकर ।

https://www.cbluonline.com
Whatsapp @ 9300930012
Send your old paper & get 10/-
अपने पुराने पेपर्स भेजे और 10 रुपये पायें,
Paytm or Google Pay से

https://www.cbluonline.com